W : www.vsajaipur.com | E : vsajaipur@gmail.com M. : +91 9460356652, 8058999828
Add. : 84, Krishna Vihar, Behind Narayan Niwas, Gopalpura Bypass, Jaipur - 302015
/vsajaipur | /vsajaipur | /vidyashreeacademy | /vsa_jaipur

Subject-Hindi Class 10. topic: अपठित गद्यांश

(11) अपने इतिहास के अधिकांश कालों में भारत एक सांस्कृतिक इकाई होते हुए भी पारस्परिक युद्धों से जर्जर होता रहा। यहाँ के शासक अपने शासन-कौशल में धूर्त एवं असावधान थे। समय-समय पर यहाँ दुर्भिक्ष, बाढ़ तथा प्लेग के प्रकोप होते रहे, जिसमें सहस्रों व्यक्तियों की मृत्यु हुई।

जन्मजात असमानता धर्मसंगत मानी गई, जिसके फलस्वरूप नीच कुल के व्यक्तियों का जीवन अभिशाप बन गया। इन सबके होते हुए भी हमारा विचार है कि पुरातन संसार के किसी भी भाग में मनुष्य के मनुष्य से तथा मनुष्य के राज्य से ऐसे सुंदर एवं मानवीय । संबंध नहीं रहे हैं। किसी भी अन्य प्राचीन सभ्यता में गुलामों की संख्या इतनी कम नहीं रही जितनी भारत में और न ही अर्थशास्त्र के समान किसी प्राचीन न्याय ग्रंथ ने मानवीय अधिकारों की इतनी सुरक्षा की। मनु के समान किसी अन्य प्राचीन स्मृतिकार ने युद्ध में न्याय के ऐसे उच्चादर्शों की घोषणा भी नहीं की।

Scanned with CamScanner

हिन्दूकालीन भारत के युद्धों के इतिहास में कोई भी ऐसी कहानी नहीं है जिसमें नगर के नगर तलवार के घाट उतारे गए हों अथवा शान्तिप्रिय नागरिकों का सामूहिक वध किया गया हो। असीरिया के बादशाहों की भयंकर क्रूरता जिसमें वे अपने बंदियों की खालें खिंचवा लेते थे, प्राचीन भारत में पूर्णत: अप्राप्य है। नि:सन्देह कहीं-कहीं क्रूरता एवं कठोरतापूर्ण व्यवहार था, परंतु अन्य प्रारंभिक संस्कृतियों की अपेक्षा यह नगण्य था। हमारे लिए प्राचीन भारतीय सभ्यता की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण विशेषता उसकी मानवीयता है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 11.

(क) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ख) इतिहास के अधिकांश काल में भारत के कमजोर बने रहने का क्या कारण है?

(ग) प्राचीन भारतीय सभ्यता को सर्वाधिक मानवीय कैसे कहा जा सकता है?

(घ) "तलवार के घाट उतारना' मुहावरे का अर्थ लिखकर उसका अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए।

Scanned with CamScanner

उत्तर:

(क) गद्यांश का उचित शीर्षक-'प्राचीन भारतीय सभ्यता और मानवीयता'।

(ख) इतिहास के अधिकांश कालों में भारत कमजोर बना रहा है। इसका कारण यह है कि यहाँ के शासक शासन में अकुशल और लापरवाह थे। वे आपस में छोटी-छोटी बातों पर लड़ते रहते थे। इस कारण प्रजा बाढ़, अकाल और महामारियों से त्रस्त रहती थी।

(ग) प्राचीन भारतीय सभ्यता अपने समय की अन्य सभ्यताओं की तुलना में सबसे ज्यादा मानवीय थी। 'अर्थशास्त्र' तथा 'मनुस्मृति' जैसे न्याय ग्रन्थों में मानवीय अधिकारों की सुरक्षा का प्रयास हुआ है। विदेशी शासकों द्वारा शान्तिप्रिय नागरिकों के सामूहिक वध तथा अमानवीय दमन जैसे उदाहरण भारत के इतिहास में नहीं मिलते।

(घ) तलवार के घाट उतारना-हत्या करना। वाक्य प्रयोग-शिवाजी एक वीर शासक थे। उन्होंने अपने अनेक शत्रुओं को तलवार के घाट उतारा था।

Scanned with CamScanner